चीनी मिल के अधिकारी किसानों को सिखाएंगे गन्ने की खेती

लखनऊ। अगले 10-15 वर्षों में देश में गन्ने की मांग लगभग 5500 सौ लाख टन और चीनी की मांग 350 लाख टन तक पहुंचने की संभावना है। उत्पादन की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए प्रत्येक चीनी मिल क्षेत्र में गन्ना उत्पादन बढ़ाना बहुत आवश्यक है। इस चुनौती को पूरा करने के लिए लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) ने एक योजना बनाई है। संस्थान अब चीनी मिलों के अधिकारियों को गन्ने की उन्नत खेती की तकनीकें सिखाएगा। प्रशिक्षण पा चुके अधिकारी फिर यही तकनीकें अपने मिल क्षेत्र के किसानों को सिखाएंगे जिससे उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

चीनी मिलों के गन्ना विकास अधिकारियों को गन्ना उत्पादन की नई तकनीकों में दक्ष तथा निपुण बनाने के लिए संस्थान गन्ना प्रबन्धन एवं विकास विषय पर 21 दिनों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मवाना, डीएससीएल, त्रिवेणी, बजाज, सेकसरिया, जवाहर सहकारी, डालमिया चीनी मिल समूहों के 20 गन्ना अधिकारी भाग ले रहे हैं। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं बिहार से आये हुए अधिकारी गन्ना उत्पादन की नवीनतम तकनीकों की जानकारी न सिर्फ वैज्ञानिकों से हासिल कर रहे हैं बल्कि उन तकनीकों के प्रयोग में भी महारथ हांसिल कर रहे हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक आईआईएसआर के निदेशक डॉ सुशील सोलसेमन हैं, तथा प्रशिक्षण समन्वयक डॉ एके साह हैं जो कि एक वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं। गन्ना खेती में वैज्ञानिक विधियों के अधिक से अधिक प्रयोग से वर्तमान के उत्पादन स्तर को 100 टन प्रति हेक्टेयर तक ले जाया जाये तथा चीनी उत्पादन लगभग 11 किलो प्रति 100 किलो गन्ना हो। प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करते समय संस्थान इन लक्ष्यों का खास ध्यान रखा है।

प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ एके शाह ने बताया कि देश में नयी चीनी मिलों को स्थापित करने या चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार हर संभव प्रशासनिक सहायता दे रही है। ऐसा होने से प्रत्येक चीनी मिलों के लिए आवंटित गन्ना क्षेत्र सिमटता जायेगा। साथ ही गन्ना क्षेत्रफल की 50-55 लाख हेक्टेयर से अधिक बढ़ने की संभावना भी नहीं है। परिणामस्वरुप प्रत्येक चीनी मिल को अधिक गन्ना, सीमित क्षेत्र से प्राप्त करना होगा। यह एक बड़ी चुनौती है, इस संदर्भ में चलाया जा रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम मील का पत्थर साबित हो सकता है। प्रशिक्षण के माध्यम से मिलों में काम करने वाले गन्ना कार्यकर्ताओं को अधुनिक उत्पादन तकनीकों में अधिक जानकार तथा दक्ष बनाया जायेगा। जिससे वो किसानों को प्रशिक्षित कर तकनीकों को वृहद स्तर पर प्रयोग में ला पाएंगे। तभी गन्ना उत्पादन में आशातीत वृद्धि की संभावना है।

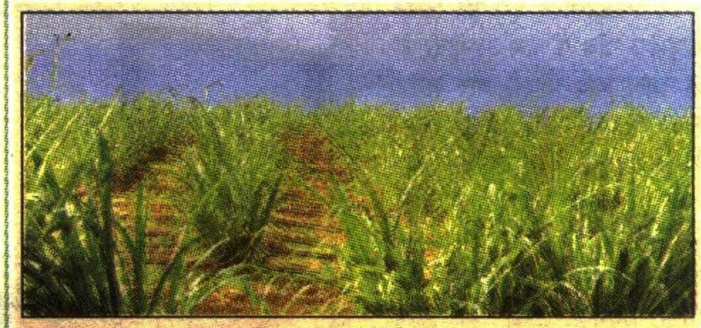

प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी

गन्ना उत्पादन के विभिन्न विषयों जैसे उन्नत प्रजातियों की बोआई विधियां, पोषकता प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन, पेड़ी प्रबंधन, बीमारियों एवं कीटों का समेकित उपचार, गन्ना खेती में उन्नत मशीनों का प्रयोग, कटाई उपरान्त गन्ना प्रबंधन, गन्ना प्रबंधन में संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग इन सबके बारे में प्रायोगात्मक जानकारी दी जा रही है।